LEGAL AID CLINIC

at

Women Probation Home, Namkum, Ranchi

nder the aegis of Jharkhand State Legal Services Authority a Legal Aid Clinic was inaugurated at Women Probation Home, Namkum, Ranchi by Hon'ble Mr. Justice Altamas Kabir, Judge, Supreme Court of India and Chairman, National Legal Services Authority, New Delhi and Madam Minna Kabir in the presence of Hon'ble Mr. Justice Bhagwati Prasad, Chief Justice, Jharkhand High Court and Patron-in-Chief, JHALSA; Hon'ble Mr. Justice M.Y. Eqbal, Chief Justice, Madras High Court; Hon'ble Mr. Justice Sushil Harkauli, Judge, Jharkhand High Court and Executive Chairman, JHALSA and other Hon'ble Judges of Jharkhand High Court, Registry Members of Jharkhand High Court, Deputy Commissioner, Ranchi, Lawyers and other dignatories. The Legal Aid Clinic was inaugurated with an intent to help the inmates to become aware about their Legal Rights.

Hon'ble Mr. Justice Altamas Kabir and his Wife Madam Minna Kabir, the foster parents of the Probation Home shared their woes and sorrows with the inmates of the Probation Home and exchanged their pleasant memories and bond they had established with them. Justice Altamas Kabir enthralled the august gathering with His Lordship's heart touching views.

Speaking on the occasion he said that he love these inmates like his daughters and wish they lead a normal life once they are out of this place. He also emphasized for the need of following a uniform pattern in all Probation Homes across the State of Jharkhand like the one in Namkum.

The Inauguration of the Legal Aid Clinic was followed by the cultural programme including dance and songs performed by the inmates of the Women Probation Home, Ranchi.







Hon'ble Mr. Justice Altamas Kabir, Executive Chairman, NALSA & Hon'ble Mr. Justice Bhagwati Prasad, Patron-in-chief, JHALSA



Hon'ble Mr. Justice M. Y. Eqbal, Chief Justice, Madras High Court & Hon'ble Mr. Justice, Sushil Harkauli, Executive Chairman, JHALSA

तंत्री, 12 अवद्वर, 2010 | देविक जागरण

जेल नहीं, घर में रहती हैं बेटियां



मम्मी-पापा को देख छलक आए आंसू

egal aid for the rejected

CHANDRASTY MUKHERJER

Bunchi, Oct. 11: Und in a bright red and white sures, wi-th a conspicuous dot of vers-ition on her forehead, 19-year-old Sarita Devi looked like a

Only we was not accompa-sed by her hashand, who she had left behind fills her fellow nonsies of the women's re-mand home in Nandum. Sarths and her computation up of the computation of the computation of the computation of the computation of the superior Court judge Alluman (able and 15 to 26.



the status of the cases their are at large or in custody, bushends are involved in," Albitar Bano, craft histrustati principal probation officer at the remand bone, and

girls want to live with their is shands. Many of the immer are also destitutes and have one to turn to. Bano said.

The home sheders at a mister, with the youngest on Khiashi, aged 4 years. Khoashi, a special importance she was been bere. Bano sawith pride.

The younger ones also pon their best mitre is welcom Juntice Kabir and Minn whom they foreity address. Tope and "shumey."

Come mores of immediance been changed to prote their telesame.

सन्मार्ग, 11 अक्टूबर, 2010

कोई काम करने के लिए सरकार को थोड़ा दिल चाहिए: कबीर



यनोज कुमार राची : आरखंड हो नहीं बहिना हर राज्य में मानीबोश ऐसी रिमारि हो गयी है कि सामान्य काम के लिए की कोई को आदेश देना पहला है। किसी राज्य of these was need when the about क्या नहीं, इस मामले में वह कुछ नहीं बढ़ना नाहते हैं लेकिन राज्यों में शोर्ष पर पेडे लोग भी नवा शोसले हैं और क्य करते हैं. यह समझ में नहीं अदा है। दरअसार जोई काप करने के लिए सरकार के पस बोझ दिन होना

महिलाओं के लिए बहुत कानून, जानकारी जरूरी

tifice offer it one to a last sufficial visited in the street and रिकारों के जिस बहुत करहत है। स्थित उसे उसकी सरकारों नहीं है। इसको में कार इसके की समस्य पर उसके गांध कि तब है इसको में के को उस भी कई किसी इस बन्ध की बहुता कुछ का विस्ति से इसे संकर्त के किए किसा की बहुत ज़रूना है।

बच्चों को लीगल एजुकेशन आवश्यक

न्यावर्तन में कता कि सर्वत का लेकन क्रूबोकन अरूनी के विकास प्रदेश के विकास में बहुत्त स्ट्रिम कार्न साम लेकन व्यूबोकन को लेकन प्रक कार्यक्रम हुआ व जिसमें अने अन्यानी में अभी के और संय ही विश्वत भी करा नय सं । एक

सन्मार्ग, 11 अक्टूबर, 2010

हर प्रोवेशन होम में हो घर जैसा माहौल वरीय रहेकारकार

चंत्री : इंग्रस्कात के हर भीवेशल होन में तम्मर घर नेवा ही महील हो। बंग रहने वालों को यह वं भी महसूत्र नहीं हो कि उनका कोई नहीं है। जीवन की विद्या में कहीं कल्या नहीं मुख्याय, इसके लिए उससी है कि हम उसके मान बाद वर्ते। आहरे, हम राम पिलाजुलकर प्रवास करें और इस नेवा बाम पे नारच हाम बहाये। प्रथानार्च येथी के नारकुप में विश्वत परिवार प्रोतेकार होने में लोगान पड जनीतिक के प्रकारत के बीधन सुप्रीय कोर्ड के ज्यापारीका और नेमानत लोगात करिया जीवारिटी के एकजीवयुटिन चेवरमेंग आलगस कथीर एका उत्तको पत्नी भीना कतीर न संयुक्त क्या से नव बात बजी। न्यासपीर सभीर ने कहा कि जब का झाराबंद में मुख्य न्यायाणीश सन्दर आये है, सो इस समय परिच्या सीमेशन होना हटिया में था। वहां नंजीयान श्रीक पत्नी था। न बायरूप या और जा ही करनों में दरवाजा। यानी की भी किछात थी। सहा रक्षने जानी मस्त्रिया मुख्याची हुयी मीं। लेकिन अब वहां ऐसी ऐसी बात नहीं है। उन्होंने कहा कि हर प्रविधन होंस का यूनीकॉम पैटने हो। लीगल पह क्लीका की जरूरत थी। फिर्न प्रविद्यन होंस के लिए ही कही बहिता पूर्व वाली के लिए यह उत्परमंत्र है क्योंकि सभी को कानूनी नाले की जानकारी की जरूरत बढ़तों है। योज कबीर ने कहा कि महिला डोमेशन होन जेल नहीं जिस्से पहेंची हो। मोर्च ककार न कहा कि महिला प्रेसेशन सीए वाल नहां बिल्क एक पर है। इसे कहा कि पहुँ में एमने लड़ाई लड़ाई है। परिस्थतिया एक बार नहीं कहानी। उसमें कार सावती है। इसमें एक हैं कहानी में को बोर पर बीर में कि में कि पर बीर में कि पर बीर में कि पर बीर में कि पीर में कि पर ब का शिला-बार भी किया। कार्यक्रम में बई न्यासपीश, विभिन्न विभाग के बर्धापिकारी व गवमान्य लोग तमस्थित थे।

कबीर देपति कहलाते हैं मम्मी-पापा

महिला प्रतिकान होता में रहने साली बर्जिया जरिटरा अल्लामय कनीर को पाना पं डंगकी पत्नी मीना कम्मीर की मरनी शुलादी है। कमीर दंपति यो उन्हें अपने मध्यी वर्षे शरह ही प्यार करते हैं। कार्यक्रम समाप्ति के बाद कमीर हंपति पूरी मान्यियता के साथ बरिवानी न महिलाओं से पिले और उनका हालचाल पूछा। कहें बोंच्यों की तो इस मुक्तानात के दौरान आंधी भी सलाव्या गरी। उन्हें ऐसा लगा भागी थे अपने साने जाता पिता से मिल रही हो।

देश मेरा रंगीला- रंगीला ...

रक्षारम समाग्रेस के दौरान प्रतिसन होम का लडाकियों ने सांस्कृतिक





Judge brings joy to probation home

लीगल एड क्लिनिक से त्वरित न्याय मिलेगा: जस्टिस कबीर

पोवंशन होम के आवासियाँ को बेटिक आसपास के लोगों को भी कानूनी मदद मिल



द्वावक भारत विश्वास स्नेहका बंधन | प्रोबेशन होम की बच्चियों के बीच भावविभार हा गए जस्टिस अल्तामस कबीर

करते हैं क्राय में हो की क्षेत्र क्षाया है, कर केवल कार्यों की पहलान मानत है। लेकन वाई क्षण अपने विकट परिजय में बूट लेते हैं। जात दूसी चिक्रतात पर नकड़ बना महिल्ट प्रेमीकन होगा कर देन की उनके बारी उद्यक्त के तक विजय की क्षण की बिल्डर की बीच आपने के लाग में बंध कर और लेक कि रेमते की विकासन का नाम जीविटत कार्यर के जाते में सुनी पेसे चून नहीं जैसे वह अपने कर दिया है किए सी सी।

adopes st





मिरोज क्योर ने रका वा क्यों का नाम

अस्टिस पान्य का केला है व्यार

मां यहि नमता को यह पुरावर



Hon'ble Mr. Justice Altamas Kabir, Judge, Supreme Court of India & Executive Chairman NALSA expressing his feeling for inmates of Probation Home

प्रभात खबर

संबी, मंगलपार, 12 असूबर, 1010

राशि के अभाव में हक से वंचित रहना दुर्भाग्यपूर्ण

লীগল एব জিলশিক

वरिट्स करणान्स कवीर ने कहाँ वरिट्स कवीर अपनी कपी बीदा वर्गर के मान मान्युन रिक्त परित्त प्रवेशन के प्रश्न मान्युन रिक्त परित्त प्रवेशन के क्षणान्य के परित्त के क्षणित करणान्य के परित्त के क्षणान्य के परित्त के प्रवेशन को के क्षणान्य के परित्त के प्रवेशन को जी, वहीं करके में इस्ताव क्षणान्य के परित्त मान्य क्षणान्य के परित्त के प्रवेशन को क्षणान्य के परित्त के प्रवेशन के



